मंगलवार

09 जून 2026

- देहरादून
- वर्ष 34
- अंक 136
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

सामान्य वर्ग की किशोरी से दोस्ती दलित युवक को पड़ी महंगी

युवक को बंधक बनाकर पीटा, मौत

हमारे संवाददाता

टिहरी/देहरादून। सामान्य वर्ग की किशोरी से दलित युवक को दोस्ती करना महंगा साबित हुआ है। किशोरी के परिजनों ने युवक व उसके दोस्त को बधंक बनाकर इतना पीटा कि दलित युवक की मौत हो गयी। जबकि उसके दोस्त का अस्पताल में उपचार जारी है। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने हत्या सहित एससी-एसटी एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मामला प्रतापनगर ब्लाक के ओगा पट्टी के देवल गांव का है। बताया जा रहा है कि देवल गांव निवासी धनपाल लाल का बेटे केतन लाल (18) की छह माह से दोस्ती पड़ोसी गांव खोलगढ़ की सामान्य जाति की किशोरी से थी। दोनो फोन पर बात किया करते थे। जिस कारण किशोरी के परिजन नाराज थे। जिन्होने रविवार रात करीब 11 बजे फोन करके केतन लाल को अपने घर

बुलवाया। जिस पर केतन अपने दोस्त दिवाकर डिमरी के साथ वहां पहुंचा। केतन और उसके दोस्त दिवाकर के वहां पहुंचते ही किशोरी के परिजन तैश में आ गये और उन्होने केतन व उसके दोस्त को बंधक बनाकर उन्हे रात भर लाठी डंडो से पीटा गया। सोमवार सुबह केतन के ही फोन से किशोरी के परिजनो द्वारा केतन के पिता को फोन कर बेटे को लेने के लिए बुलाया। जिस पर केतन के पिता ने वहां पहुंचकर दोनो घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जहां उपचार के दौरान घायल केतन की मौत हो गयी। वहीं दिवाकर का उपचार जारी है। केतन की मौत से गुस्साये ग्रामीणों ने अस्पताल में हंगामा काटा जिस पर पुलिस ने वहां पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर आरोपी किशोरी के परिजनों पर हत्या सहित एससी-एसटी एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार इस प्रकरण में कुछ लोगो को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने 221 अभ्यार्थियों को किये नियुक्ति पत्र वितरित

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से शहरी विकास, कौशल विकास एवं सेवायोजन विभाग, पशुपालन विभाग में विभिन्न पदों पर चयनित 221 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्य सेवक सदन, मुख्यमंत्री आवास में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से शहरी विकास, कौशल विकास एवं सेवायोजन विभाग, पशुपालन विभाग में विभिन्न पदों पर चयनित 221 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शहरी विकास, कौशल विकास एवं सेवायोजन

तथा पशुपालन विभाग के अंतर्गत आज नवचयनित 221 युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा रहे हैं। राज्य में बीते साढ़े चार वर्षों में सरकार ने 33 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी सेवाओं से जोड़ने का काम किया है। उन्होंने कहा यह पल युवाओं की वर्षों के परिश्रम और संघर्ष की सफलता का स्वर्णिम क्षण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के चेहरों पर मुस्कान बताती है कि राज्य सरकार, सही दिशा में आगे बढ़ रही है। राज्य के युवा वर्तमान के साथ भविष्य की भी सबसे बड़ी पूंजी है। नई स्टार्टअप नीति, राज्य में नया स्टार्टअप कल्चर को बढ़ावा दे रही है। मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना और युवा प्रोत्साहन योजनाओं के माध्यम से युवाओं को आर्थिक और तकनीकी रूप मजबूत किया जा रहा है। सरकार के प्रयासों से युवा आज अपने सपनों को लेकर पहले से कई अधिक आश्वस्त है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय ऐसा था जब युवाओं के सपनों और उनके माता-पिता के त्याग के साथ अन्याय होता था। पर आज रिकॉर्ड समय में भर्तियां पूरी हो रही हैं। पहले युवाओं को हताशा और निराशा मिलती थी, आज राज्य सरकार युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपने का काम करती है। मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार, युवाओं के भविष्य के साथ किसी भी कीमत पर समझौता नहीं होने देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने नकल माफियाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की। राज्य सरकार ने देश में सबसे कड़ा कठोर नकल विरोधी कानून लागू किया है। मुख्यमंत्री ने यह स्पष्ट किया कि आगे भी राज्य सरकार इसी रफ्तार, पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ युवाओं को लगातार रोजगार के अवसर देती रहेगी। उन्होंने कहा विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि खाली पदों को भी तुरंत भरा जाए। मुख्यमंत्री ने कहा सभी अभ्यर्थियों से सरलीकरण, समाधान, निस्तारीकरण और संतुष्टि के मंत्र को अपना ध्येय मानकर हर गरीब, हर जरूरतमंद की समस्या का समाधान करने की बात कही। उन्होंने कहा नए अभ्यार्थी केवल सरकारी कर्मचारी नहीं हैं बल्कि उत्तराखंड के विकास के सहभागी भी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा प्रध

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

दून वैली मेल

संपादकीय

सत्ता मजबूत, विपक्ष मजबूर

इन दिनों जहां देश की अर्थव्यवस्था की डावांडोल स्थिति और उसका आम आदमी की जिंदगी पर पहला प्रभाव और दूसरी तरफ राजनीतिक स्तर पर मची भारी उथल-पुथल के बीच आज 2 साल बाद ब्लॉक इंडिया की बड़ी बैठक हुई वही इस बैठक से एन पूर्व रात के अंधेरे में दिल्ली की सड़कों पर लगे कुछ पोस्टर और होडिग्स जिनमें राहुल गांधी को एक नाकारा और मूर्ख नेता साबित करने का प्रयास किया गया है और इस सबसे भी महत्वपूर्ण एक अन्य तीसरी घटना जिसे ऑपरेशन लोटस कहा जा सकता है जिसके जरिए टीएमसी के बीस सांसदों के पार्टी छोड़ने और एनडीए सरकार को समर्थन देने की बात सामने आई है, ने एक बार फिर अब यह साबित कर दिया है कि भाजपा की कुटिल नीतियों से जीत पाना या उसका मुकाबला करने का सामर्थ्य अब किसी दल और मोर्चे में नहीं बचा है। पश्चिम बंगाल में अप्रत्याशित हार के बाद टीएमसी के 58 विधायकों को भाजपा पहले ही तोड़ चुकी है आज रही सही कमी इन बीस सांसदों ने पूरी कर दी जिन्होंने अपने हस्ताक्षरों का पत्र लिखकर लोकसभा अध्यक्ष से अलग व्यवस्था करने की बात कही है। निश्चित तौर पर पश्चिम बंगाल का चुनाव हारने के बाद इन 20 सांसदों का टीएमसी का साथ छोड़ने का मतलब ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी के लिए राजनीतिक अवसान से कम नहीं है। भाजपा को भले ही पश्चिम बंगाल जीतने में और ममता बनर्जी का राजनीतिक अस्तित्व समाप्त करने में कितना भी अधिक समय लगा हो लेकिन अब वह अपने मकसद में सफल हो चुकी है। चड्ढा के साथ गए आप के सांसदों और 20 टीएमसी के सांसदों के साथ आने पर अब भाजपा राज्य में पूर्ण बहुमत हासिल कर चुकी है वहीं लोकसभा भी अब उसे नायडू और नीतीश पर निर्भरता को लगभग समाप्त कर दिया है। विपरीत परिस्थितियों के बीच भी वह पहले से अधिक मजबूत हो गई है। अब बात करते हैं उन पोस्टरों की जो ब्लॉक इंडिया की बैठक से पूर्व दिल्ली की सड़कों पर लगाए गए इन सभी पोस्टरों में राहुल गांधी की फोटो समान रूप से लगी है इसके साथ ब्लॉक इंडिया के सहयोगी दलों के नेताओं जिसमें शरद पवार, ममता बनर्जी और केजरीवाल तथा अन्य कई के फोटो के साथ राहुल के बारे में पूर्व समय में दिए गए बयानों के सहारे राहुल गांधी को एक नासमझ और नाकारा तथा आरोग्य कहा गया है उनका हवाला देकर नीचे सभी पोस्टरों में लिखा गया है यह आपस में लड़ने वाले क्या देश संभालेंगे? बड़ी साफ बात है कि भाजपा की केंद्र सरकार के निशाने पर सिर्फ राहुल गांधी ही हैं अन्य कोई भी नेता नहीं है। क्योंकि वह अकेले भाजपा से लोहा भी ले रहे हैं और सरकार उनका कुछ भी बिगाड़ तो पा ही नहीं रही है। बल्कि उनका खौफ ही इन पोस्टरों के पीछे से झलकता नजर आता है। रही बात ब्लॉक इंडिया की बैठक की तो 2 साल बाद हुई यह बैठक इंडिया की मजबूरी है। वह चाहे ममता बनर्जी हो या शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे या फिर तेजस्वी यादव इस बैठक में शामिल हुए तमाम वह नेता जो कांग्रेस के नेतृत्व को गवारा नहीं करते थे अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। भाजपा इन्हें इतना कमजोर कर चुकी है कि उनका अहंकार चूर-चूर हो चुका है वह अब समझ चुके हैं कि सिर्फ कांग्रेस व राहुल गांधी ही है जो उनकी मदद कर सकते हैं अब उन सभी 25 दलों के नेताओं को कांग्रेस के नेतृत्व कबूल हो। इस बैठक में जो पांच फैसले लिए गए हैं उनमें कुछ खास ऐसा नहीं है जो भविष्य की कोई बेहतर संभावना जताता हो। बस एकजुट होकर संसद व सांसद के बाहर जनहित के मुद्दों पर लड़ेंगे। कैसे लड़ेंगे और कितना लड़ पाएंगे? यह समय ही बताएगा। कॉकरोच को हिट कर चुकी भाजपा अब और अधिक मजबूत हो चुकी है तथा विपक्ष गठबंधन इंडिया मजबूरी में साथ खड़ा दिख रहा है।

युवती की तलाश हेतु हरसम्भव प्रयास किये जा रहे हैं: उपाध्याय

संवाददाता

उत्तरकाशी। पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी श्रीमती कमलेश उपाध्याय ने कहा कि युवती की तलाश में हर सम्भव प्रयास किये जा रहे हैं। पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी, श्रीमती कमलेश उपाध्याय के निर्देशन में लापता युवती की तलाशी हेतु आज 9 जून 2026 को पुलिस उपाधीक्षक उत्तरकाशी जनक सिंह पंवार एवं पुलिस उपाधीक्षक बडकोट चंचल शर्मा के नेतृत्व में पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, आईटीपीबीपी, वन विभाग, नेहरु पर्वतारोहण संस्थान, आपदा प्रबन्ध की क्यूआरटी, स्वान दल, एसओजी, स्थानीय लोग एवं गाइड की संयुक्त रूप से 3 टीमों का गठन कर तीन अलग-अलग रास्तों से सर्च ऑपरेशन प्रारंभ किया गया। 3 ड्रोन टीम को भी सर्चिंग में लगाया गया है। उक्त टीमों मे विभिन्न एजेन्सियों के 120 से अधिक सदस्य शामिल है , जिनके द्वारा विभिन्न क्षेत्र व अलग-अलग दिशाओं में ट्रेक मार्गों, जंगलों, खाइयों, गदेरों, झाड़ियों तथा अन्य संभावित स्थानों पर सघन कॉम्बिंग व तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

भाजपा-कांग्रेस ने शुरू की 'नेट प्रैक्टिस'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2027 में अभी समय शेष है, लेकिन प्रदेश की राजनीति में चुनावी आहट साफ सुनाई देने लगी है। सत्ता में काबिज भाजपा और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस दोनों ने संगठनात्मक मोर्चे पर अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा जोर पकड़ रही है कि 2027 की लड़ाई केवल नेताओं के चेहरे या चुनावी घोषणाओं से नहीं, बल्कि संगठन की ताकत से तय होगी। भाजपा जहां लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी का इतिहास रचने की तैयारी कर रही है, वहीं कांग्रेस दस साल के वनवास को खत्म कर सत्ता में लौटने का सपना संजोए हुए है। ऐसे में दोनों दलों का फोकस संगठन को धारदार बनाने पर है।

❑भाजपा सत्ता की हैट्रिक के लिए बूथों को कर रही मजबूत
❑कांग्रेस जनाक्रोश को राजनीतिक ताकत में बदलने की तैयारी
❑भाजपा और कांग्रेस संगठन दे रहे चुनावी रण के लिए धार
❑दलों में बूथ से लेकर सोशल मीडिया तक सक्रियता बढ़ी

प्रदेश में भाजपा का संगठन इस समय बूथ सशक्तीकरण अभियान, लाभार्थी संपर्क और सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने की रणनीति पर काम कर रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पार्टी का सबसे बड़ा चुनावी चेहरा मानते हुए संगठन उनके नेतृत्व में चुनावी जमीन तैयार कर रहा है। भाजपा की कोशिश है कि समान नागरिक संहिता, नकल विरोधी कानून, चारधाम परियोजना और निवेश जैसे मुद्दों को राजनीतिक उपलब्धि के रूप में जनता के बीच स्थापित किया जाए। दूसरी ओर कांग्रेस संगठन को फिर से जीवंत बनाने की चुनौती से जूझ रही है। पार्टी नेतृत्व यह मानकर चल रहा है कि बेरोजगारी, महंगाई, पलायन, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी और पर्वतीय क्षेत्रों में विकास की धीमी रफ्तार जैसे मुद्दे सत्ता विरोधी माहौल बना सकते हैं। इसी कारण कांग्रेस लगातार जनसभाओं, पदयात्राओं और मुद्दा आधारित आंदोलनों के जरिए जनता से जुड़ने का प्रयास कर रही है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के उत्तराखंड दौरे और लगातार बढ़ती राजनीतिक सक्रियता को भी इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। कांग्रेस संगठन गांव-गांव तक अपनी पहुंच बढ़ाने और निष्क्रिय कार्यकर्ताओं को फिर से सक्रिय करने का प्रयास कर रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उत्तराखंड की राजनीति में संगठन हमेशा निर्णायक भूमिका निभाता रहा है। वर्ष 2022 के चुनाव में भाजपा ने मजबूत बूथ प्रबंधन और संगठनात्मक समन्वय के दम पर सत्ता बरकरार रखी थी। वहीं कांग्रेस को कई सीटों पर संगठनात्मक कमजोरी का नुकसान उठाना पड़ा था। यही कारण है कि इस बार कांग्रेस भी बूथ स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करने में जुटी हुई है। दिलचस्प बात यह है कि दोनों दल युवाओं और पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफार्म भी अब चुनावी रणक्षेत्र का अहम हिस्सा बन चुके हैं। भाजपा और कांग्रेस दोनों की आईटी और सोशल मीडिया टीमें लगातार सक्रिय दिखाई दे रही हैं।

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि आने वाले महीनों में संगठनात्मक फेरबदल, नई नियुक्तियां और बड़े नेताओं के दौरे बढ़ेंगे। चुनावी रणनीति का असली केंद्र अब गांव, बूथ और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बनने जा रहे हैं। फिलहाल उत्तराखंड की राजनीति में एक नई प्रतिस्पर्धा शुरू हो चुकी है। यह प्रतिस्पर्धा जनसभाओं से ज्यादा संगठन की मजबूती को लेकर है। भाजपा और कांग्रेस दोनों समझती हैं कि 2027 की सत्ता की चाबी देहरादून, हरिद्वार या हल्द्वानी में नहीं, बल्कि बूथ स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ताओं के हाथ में होगी। इसलिए चुनावी रण को धार देने की सबसे बड़ी जंग इस समय संगठन के मोर्चे पर लड़ी जा रही है। फिलहाल इतना तय है कि उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2027 की औपचारिक घोषणा भले अभी दूर हो, लेकिन राजनीतिक दलों ने चुनावी शंखनाद कर दिया है। संगठन को मजबूत बनाने की यह होड़ आने वाले दिनों में और तेज होती दिखाई देगी।

'चौंसू' है हजारों साल पुरानी पहाड़ी 'विरासत'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। पहाड़ की कड़कड़ाती ठंड हो या सावन की रिमझिम फुहार, उत्तराखंड के घरों में जब लोहे की कढ़ाई में चौंसू पकता है, तो उसकी सोंधी खुशबू पूरे मोहल्ले को बता देती है कि आज रसोई में कुछ खास बन रहा है। गढ़वाल और कुमाऊं के पारंपरिक खान-पान का राजा चौंसू सिर्फ एक व्यंजन नहीं, बल्कि पहाड़ों की संस्कृति, सेहत और यादों का एक खूबसूरत हिस्सा है।

❑'चौंसू' की सोंधी खुशबू और लोहे की कढ़ाई के जादू की दीवानगी
❑पहाड़ की थाली का स्वाद, परंपरा और सेहत का अनमोल संगम है चौंसू
❑काली उड़द की दाल को भूनकर तैयार होने वाली चौंसू रसोई का हिस्सा
❑हर उत्तराखंडी के खून और यादों में बसा है चौंसू का वह सोंधा स्वाद

चौंसू बनाने के लिए सबसे पहले काली उड़द की दाल को हल्का भून लिया जाता है। इसके लिए साबुत या छिलके वाली काली उड़द की दाल को धीमी आंच पर तवे या कढ़ाई में तब तक भूना जाता है, जब तक कि उसमें से एक सोंधी सी महक न आने लगे। भूनने के बाद इस दाल को सिल-बट्टे पर दरदरा पीसा जाता है।

चौंसू हमेशा लोहे की कढ़ाई में ही बनाया जाता है। लोहे की कढ़ाई में पकने के कारण इसका रंग गाढ़ा काला-भूरा हो जाता है और इसका स्वाद कई गुना बढ़ जाता है। इसके बाद शुरू होता है इसे पकाने का पारंपरिक तरीका। सरसों के तेल में जख्या या जीरे का तड़का लगाया जाता है। फिर पिसी हुई दाल को मसाले और हींग के साथ भूनकर पानी डाला जाता है। इसे धीमी आंच पर देर तक पकाया जाता है। जैसे-जैसे चौंसू उबलता है, इसकी तरी गाढ़ी और मखमली होती जाती है।

पहाड़ की महिलाएं आज भी मानती हैं कि असली चौंसू वही है जो लकड़ी के चूल्हे पर धीमी आंच में पकाई जाए। इससे इसका स्वाद और सुगंध कई गुना बढ़ जाती है। चौंसू स्वाद के साथ-साथ स्वास्थ्य के लिए भी बेहद लाभकारी मानी जाती है। काली उड़द प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम और फाइबर से भरपूर होती है।

पहाड़ के कठिन भौगोलिक जीवन में लोगों को ऊर्जा प्रदान करने के लिए यह व्यंजन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। इसके साथ ही चौंसू शरीर को ताकत देने के साथ पाचन तंत्र को भी मजबूत करती है। यही कारण है कि पुराने समय में खेतों में काम करने वाले लोग इसे विशेष रूप से पसंद करते थे।

उत्तराखंड के गांवों से लगातार हो रहे पलायन के कारण कई पारंपरिक व्यंजन धीरे-धीरे लोगों की थाली से दूर होते जा रहे हैं। बावजूद इसके चौंसू आज भी अपनी जगह बनाए हुए है। शहरों में रहने वाले उत्तराखंडी परिवार भी अपने बच्चों को पहाड़ के स्वाद और संस्कृति से जोड़ने के लिए चौंसू बनाना नहीं भूलते। आज सोशल मीडिया और पर्यटन के बढ़ते प्रभाव के कारण उत्तराखंड के पारंपरिक व्यंजनों की चर्चा देशभर में हो रही है। चौंसू भी अब केवल गांवों तक सीमित नहीं रही, बल्कि पहाड़ी व्यंजनों की पहचान बनकर नए लोगों को आकर्षित कर रही है।

स्थानीय होटल और होमस्टे संचालक भी अपने मेन्यू में चौंसू को शामिल कर रहे हैं, ताकि पर्यटक पहाड़ के असली स्वाद का अनुभव कर सकें।

उत्तराखंड में एक कहावत जैसी है कि चौंसू का मजा तब तक अधूरा है, जब तक थाली में गरमा-गरम भात न हो। घी की एक चम्मच, हरी मिर्च और ककड़ी का पहाड़ी पिस्यूं लूण इसके स्वाद में चार चांद लगा देते हैं। दोपहर के धूप में बैठकर चौंसू-भात खाने का आनंद किसी फाइव-स्टार होटल के खाने से कहीं बढ़कर है।

उक्रांद ने हक-स्वाभिमान के लिए भरी हुंकार, संगठन विस्तार पर जोर

हल्द्वानी(आरएनएस)। उत्तराखंड क्रांति दल के विधि प्रकोष्ठ ने संगठन विस्तार एवं सदस्यता अभियान को लेकर बैठक की। कालाढूंगी रोड स्थित एक निजी बैंक्वेट हॉल में हुई बैठक में राज्य के मूल मुद्दों, आंदोलन की भावना और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने पर चर्चा हुई। बैठक में पूर्व विधायक नारायण सिंह जन्तवाल ने कहा कि उत्तराखंड लंबे संघर्ष और बलिदानों से बना है। आंदोलनकारियों के सपनों को साकार करने और प्रदेश के हितों की रक्षा के लिए एकजुट होना जरूरी है। यूकेडी के केंद्रीय उपाध्यक्ष भुवन जोशी ने कहा कि जल, जंगल, जमीन पर पहला हक स्थानीय लोगों का है। पलायन, बेरोजगारी और ग्रामीण समस्याओं का हल स्थानीय सोच और मजबूत क्षेत्रीय नेतृत्व से ही निकलेगा। बार काउंसिल सदस्य राजन सिंह मेहरा ने कहा कि राज्य आंदोलन सम्मान, अधिकार और पहचान की लड़ाई थी। उन्होंने युवाओं से मूल मुद्दों को समझकर सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया।विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अधिवक्ता मोहन कांडपाल ने कहा कि आंदोलन के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए संगठन को बूथ स्तर तक ले जाना होगा। विधि प्रकोष्ठ जनहित, संवैधानिक अधिकारों और उत्तराखंड के हितों के लिए काम करता रहेगा। नैनीताल जिलाध्यक्ष प्रताप चौहान ने भी संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की बात कही। इस मौके पर नए सदस्यों को कृष्णानंद जोशी ने सदस्यता दिलाई। बैठक में शहीद आंदोलनकारियों को श्रद्धांजलि देकर स्वाभिमान, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य व ग्रामीण विकास के मुद्दे उठाने का संकल्प लिया गया। इस मौके पर केंद्रीय प्रवक्ता अशोक सिंह बोहरा, हरीश सिंह मेवाड़ी, अनुसूचित मोर्चा अध्यक्ष रवि वाल्मीकि, केंद्रीय महामंत्री सुशील उनियाल, नरेंद्र तिवारी, नवीन ममगई आदि मौजूद रहे।

त्यूणी में कृषि मंडी न होने से ठगे जा रहे किसान

विकासनगर(आरएनएस)। सीमांत तहसील त्यूणी के सब्जी और फल उत्पादक किसान और बागवानों की समस्याएं कम नहीं हो रहीं हैं। यहां उत्पाद को बेहतर बाजार नहीं मिल पाता है। खाद, बीज, सिंचाई की सुविधाओं का भी अभाव है। किसानों की लागत बढ़ रही है, लेकिन उचित दाम नहीं मिल रहा। इससे किसान सब्जी, फल उत्पादन को लेकर निराश हो रहे हैं। नतीजतन क्षेत्र में सब्जी की खेती का रकबा भी कम हो रहा है। सब्जी उत्पादक किसानों ने सब्जी मंडी उपलब्ध कराने की मांग की है। क्षेत्र से विकासनगर मंडी की दूरी डेढ़ सौ से दो सौ किमी है। इतनी दूर नगदी फसलों को पहुंचाना किसानों के लिए मुश्किल भरा साबित होता है। किसान पद्मश्री प्रेम चंद्र शर्मा, अर्जुन दत्त बिजल्वाण, महाबल सिंह नेगी का कहना है कि खेत से बाजार तक उन्नत तकनीक किसानों को उपलब्ध हो जाए तो उनके मुनाफे में बढ़ोतरी हो सकती है। सब्जियां बहुत जल्दी खराब हो जाती हैं। नजदीक बाजार की सुविधा नहीं मिलने से हर साल उत्पादित सब्जियों की बड़ी मात्रा बर्बाद हो जाती है। बिचौलियों की अधिकता के कारण उत्पादकों को उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पाता है। किसानों की चिंता यह भी है कि बिचौलिये को फसल नहीं बेचेंगे तो उपज खेतों में ही बर्बाद हो जाएगी। यहां उत्तर प्रदेश, दिल्ली, गुजरात से फल-सब्जी खरीदने के लिए बड़ी संख्या में बिचौलिये आते हैं। किसानों का कहना है कि नुकसान कभी-कभी इतना अधिक हो जाता है दूसरे या तीसरे सीजन की फसल के लिए लागत नहीं रह जाती है। इससे बिचौलिये मनमाफिक दाम पर किसान से उत्पाद खरीद रहे हैं।

किसानों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं, अधिकारों के लिए होगा संघर्ष:गुड्डू

हरिद्वार(आरएनएस)। भारतीय किसान यूनियन भारत भूमि का दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन रविवार से शुरू हुआ। इसमें किसानों की समस्याओं और संगठन विस्तार पर चर्चा हुई। वक्ताओं ने किसानों के हितों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए प्रभावी कदम उठाने की मांग की। राष्ट्रीय अधिवेशन एवं चिंतन शिविर अलकनंदा मैदान में शुरू हुआ। अधिवेशन में देशभर से आए पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने किसानों की विभिन्न समस्याओं पर मंथन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सचिन कुमार गुड्डू ने कहा कि देश का किसान अनाज पैदा करता है, लेकिन उसका लाभ उद्योगपतियों को मिलता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार किसानों की लगातार अनदेखी कर रही है। किसानों को उनका अधिकार मिलना चाहिए और उनकी आय बढ़ाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि पेट्रोल और डीजल के बढ़ते दामों ने किसानों की लागत बढ़ा दी है, जबकि फसलों का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है। गन्ने सहित अन्य फसलों का भुगतान समय पर न होने से किसानों के सामने आर्थिक संकट पैदा हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार और पूंजीपति नहीं चाहते कि किसान तरक्की करें। किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने की आवश्यकता है। अधिवेशन में किसानों के हितों से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई तथा संगठन विस्तार को लेकर भी विचार-विमर्श हुआ। इस अवसर पर डॉ. राजेश गौतम, प्रवीण कुमार, गीता यादव, रवींद्र शर्मा, शशिभूषण चौहान, मोहित चौहान, साजिद नम्बरदार, पवन शर्मा, रामचंद्र विश्वकर्मा, राजेश विश्वकर्मा, फरविंदर राजपूत, विनोद शर्मा, मधु राणा, मोहम्मद अकरम सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

'फास्ट फूड' के दौर में 'झंगोरे की खीर' का जलवा

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के पहाड़ों की पहचान केवल प्राकृतिक सौंदर्य और देवस्थलों तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां का पारंपरिक खान-पान भी अपनी अलग पहचान रखता है। इन्हीं पारंपरिक व्यंजनों में एक नाम है झंगोरे की खीर जो वर्षों से पर्वतीय संस्कृति और खान-पान का अभिन्न हिस्सा रही है। बदलते दौर में जहां आधुनिक खाद्य पदार्थों का चलन बढ़ा है, वहीं झंगोरे की खीर अपनी पौष्टिकता और स्वाद के कारण फिर से लोगों की पसंद बनती जा रही है।

झंगोरा, जिसे अंग्रेजी में बार्नयार्ड मिलेट कहा जाता है। उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में उगाई जाने वाली प्रमुख फसलों में शामिल है। कम पानी और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में भी इसकी खेती आसानी से हो जाती है। यही कारण है कि इसे पहाड़ की जीवनशैली और कृषि संस्कृति का आधार माना जाता रहा है।

पहाड़ के गांवों में झंगोरे की खीर केवल एक मिठाई नहीं बल्कि परंपरा का हिस्सा है। शादी-विवाह, पूजा-पाठ, नामकरण संस्कार और धार्मिक आयोजनों में इसे विशेष रूप से बनाया जाता है। दूध, घी, मेवा और झंगोरे से तैयार होने वाली यह खीर मेहमानों के स्वागत का भी प्रमुख व्यंजन रही है। बुजुर्ग बताते हैं कि पहले जब बाजारों में मिठाइयों की उपलब्धता कम थी, तब झंगोरे की खीर ही पर्वतीय परिवारों की सबसे खास मिठाई हुआ करती थी। इसका स्वाद आज भी लोगों को अपने बचपन और गांव की याद दिला देता है।

विशेषज्ञों के अनुसार झंगोरा फाइबर, प्रोटीन, आयरन और कई आवश्यक खनिज तत्वों से भरपूर होता है। इसमें

●मीठा खाने की चाहत भी पूरी और वजन बढ़ने का डर भी खत्म, यह पूरी तरह से ग्लूटेन-फ्री
●देश के बड़े रेस्टोरेंट्स में पहाड़ी थाली के साथ बनी झंगोरे की खीर परोसना स्टेटस सिंबल
●कभी पर्वतीय घरों की पारंपरिक मिठाई अब सेहतमंद भोजन के रूप में बना रही पहचान

ग्लूटेन नहीं होता, जिससे यह स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोगों की पहली पसंद बन रहा है। मधुमेह और वजन नियंत्रित रखने वालों के लिए भी इसे लाभदायक माना जाता है। यही वजह है कि जिस झंगोरे को कभी केवल पहाड़ की फसल माना जाता था, आज वह देश और विदेश के बाजारों में सुपरफूड के रूप में पहचान बना रहा है।

पर्वतीय क्षेत्रों से लगातार हो रहे पलायन के बावजूद झंगोरे की खीर आज भी गांवों की रसोई में अपनी जगह बनाए हुए है। कई स्वयं सहायता समूह और स्थानीय उद्यमी झंगोरे से जुड़े उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं। इससे स्थानीय किसानों को भी नई उम्मीद मिली है। झंगोरे की खीर केवल एक व्यंजन नहीं, बल्कि उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। इसमें पहाड़ की मिट्टी की खुशबू, खेतों की मेहनत और पारंपरिक जीवनशैली की झलक दिखाई देती है। आधुनिकता के इस दौर में भी जब लोग अपने पारंपरिक स्वाद की ओर लौट रहे हैं, तब झंगोरे की खीर उत्तराखंड की पहचान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का काम कर रही है। आज के दौर में पिज्जा-बर्गर के दीवाने अब देवभूमि के इस पारंपरिक स्वाद के आगे सरेंडर कर रहे हैं। कभी गरीबों का राशन समझा जाने वाला झंगोरा अब बड़े-बड़े होटलों के डेजर्ट मेन्यू की शान बन चुका है। स्वाद ऐसा कि उंगलियां चाटते रह जाएं और सेहत ऐसी कि डाक्टर भी हैरान रह जाएं।

मगरा कीवी उद्यान का न्यूजीलैंड के प्रतिनिधि मंडल ने किया निरीक्षण

हमारे संवाददाता

टिहरी। जौनपुर विकासखंड में राजकीय उद्यान मगरा में प्रस्तावित कीवी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना के तकनीकी पहलुओं का आकलन करने के लिए न्यूजीलैंड से आए उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने दौरा किया। दो दिवसीय प्रवास के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की संभावनाओं, उच्च गुणवत्ता वाली नर्सरी, मदर ब्लॉक, प्रशासनिक भवन तथा अन्य आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का निरीक्षण किया।

दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने मगरा कीवी उद्यान में एक ऑटोमैटिक वेदर स्टेशन स्थापित किया। इसके माध्यम से उद्यान और आसपास के क्षेत्रों के मौसम संबंधी महत्वपूर्ण आंकड़े जैसे तापमान, आपेक्षिक आर्द्रता, मृदा नमी, पवन गति तथा धूप की अवधि (सनशाइन रिकॉर्डर) आदि का नियमित संग्रह किया जाएगा। विशेषज्ञों के अनुसार इन आंकड़ों से किसानों को सटीक बागवानी निर्णय लेने में सहायता मिलेगी तथा कीवी उत्पादन को वैज्ञानिक आधार मिलेगा।

न्यूजीलैंड के बायोसाइंस संस्थान से आए वैज्ञानिकों ने क्षेत्र के लगभग 50 बागवानों के साथ संवाद कर उनकी समस्याओं, सुझावों और अनुभवों को जाना। इस अवसर पर किसानों को कीवी फसल में रोग प्रबंधन, ट्रेनिंग एवं प्रूनिंग तकनीक, उन्नत बाग प्रबंधन तथा आधुनिक उत्पादन प्रणालियों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। वैज्ञानिकों ने न्यूजीलैंड में अपनाई जा रही उन्नत कीवी उत्पादन तकनीकों की जानकारी साझा कर किसानों को आधुनिक बागवानी पद्धतियों से अवगत कराया।

कार्यक्रम के दौरान कुछ किसानों के अनुभव और विचारों को रिकॉर्ड भी किया गया, जिससे भविष्य की योजनाओं और परियोजनाओं में स्थानीय आवश्यकताओं को शामिल किया जा सके। न्यूजीलैंड प्रतिनिधिमंडल में डेनियल कोलिन ब्लैक, निकोलस गूल्ड, जॉय लॉरेन टायसन, स्टीवन रॉबर्ट ग्रीन, जेरेमी निकोलस बॉर्डन तथा डॉ स्टीफन क्लेयर मॉंटेगोमरी शामिल रहे। इसके अलावा भारतीय न्यूजीलैंड उच्चायोग से सुदेशना रे, कृषि मंत्रालय भारत सरकार से चिराग, निदेशालय उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण से सुरभि पांडे एवं कविता राणा, नर्सरी पुनर्जीवन टिहरी के नोडल अधिकारी योगेश भट्ट, नर्सरी विकास अधिकारी मगरा राहुल राणा, जिला उद्यान अधिकारी अरविंद शर्मा, जौनपुर ब्लॉक के उद्यान सचल दल केंद्र प्रभारी तथा क्षेत्र के अनेक बागवान उपस्थित रहे।

गर्मियों के दौरान क्यों अस्थिर हो जाता है शक्कर का स्तर? जानिए इसके 5 कारण

गर्मी का मौसम मधुमेह रोगियों के लिए चुनौतियों से भरा होता है। इस दौरान न केवल शक्कर के स्तर में उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है, बल्कि शरीर में इंसुलिन का असर भी कम हो सकता है। इंसुलिन का असर कम होने से शरीर की कोशिकाएं शक्कर को सही तरीके से अवशोषित नहीं कर पाती हैं। आइए गर्मी के मौसम में शक्कर के स्तर में उतार-चढ़ाव आने के संभावित कारणों पर नजर डालते हैं।

भोजन का पाचन

गर्मियों के दौरान पाचन तंत्र की गति धीमी हो सकती है, जिससे भोजन का सही तरीके से पाचन नहीं हो पाता है। इससे शरीर में गैस, सूजन और अन्य पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इसके कारण इंसुलिन का असर कम हो सकता है, क्योंकि शरीर की कोशिकाएं शक्कर को सही तरीके से अवशोषित नहीं कर पाती हैं। इससे शक्कर का स्तर अस्थिर हो सकता है और मधुमेह के लक्षण और भी गंभीर हो सकते हैं।

पानी की कमी

गर्मी के मौसम में पसीना अधिक आता है, जिससे शरीर में पानी की कमी हो जाती है। इससे इंसुलिन का असर कम हो जाता है और शक्कर का स्तर अस्थिर हो सकता है। इसके कारण मधुमेह रोगियों को थकान, कमजोरी और चिड़चिड़ापन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए, इस मौसम में अधिक से अधिक पानी पीएं और तरल पदार्थों का सेवन करें। साथ ही नमक युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें।

खाने की आदतें

गर्मी के मौसम में खाने की आदतें भी प्रभावित हो सकती हैं। कई लोग ठंडे पेय और तले हुए खाद्य पदार्थों का सेवन कर लेते हैं, जो सेहत के लिए सही नहीं होते हैं। इससे शरीर में सूजन बढ़ सकती है और इंसुलिन का असर कम हो सकता है। इसलिए, इस मौसम में पोषक तत्वों से भरपूर संतुलित आहार लें और जंक फूड से दूर रहें। इसके अलावा समय-समय पर अपने शक्कर के स्तर की जांच करवाते रहें।

व्यायाम की कमी

गर्मी से बचने के लिए कई लोग घर से बाहर नहीं निकलते और व्यायाम नहीं करते हैं, जिससे वजन बढ़ने लगता है। बढ़ता वजन इंसुलिन का असर कम कर सकता है। इसलिए, मधुमेह रोगियों को रोजाना कुछ मिनट व्यायाम जरूर करना चाहिए। इससे उनका वजन नियंत्रित रहेगा और मधुमेह के लक्षण भी कम हो जाएंगे। इसके अलावा व्यायाम से शरीर में शक्कर का सही तरीके से अवशोषण हो सकता है।

तनाव और अनिद्रा

तनाव और अनिद्रा भी शक्कर के स्तर को प्रभावित कर सकते हैं। तनाव से शरीर में एक हार्मोन का स्तर बढ़ता है, जिससे इंसुलिन का असर कम हो सकता है। वहीं अनिद्रा से शरीर ठीक से काम नहीं कर पाता और शक्कर का स्तर अस्थिर हो सकता है। इसलिए, मधुमेह रोगियों को पर्याप्त नींद लेनी चाहिए और तनाव को कम करने के उपाय अपनाने चाहिए। इनकी मदद से आप शक्कर के स्तर को स्थिर रख सकते हैं।

माइग्रेन के कारण पेटदर्द की हो सकती है समस्या

क्या आपको पता है कि माइग्रेन के कारण पेट दर्द की समस्या भी हो सकती है। जी हां, माइग्रेन सिर्फसिर में ही नहीं, बल्कि पेट में भी हो सकता है। पेट में होने वाले माइग्रेन को ऐब्डॉमिनल माइग्रेन कहते हैं और इसकी वजह से आपको तेज दर्द, मरोड़, थकान और उल्टी हो सकती है। पेट का माइग्रेन आमतौर पर अनुवांशिक होता है और छोटे बच्चों को होता है। इसका सबसे ज्यादा खतरा उन बच्चों को होता है जिनके माता-पिता पहले से माइग्रेन के शिकार हैं।

बच्चों में भी इस तरह के माइग्रेन के मामले सबसे ज्यादा लड़कियों में देखे गए हैं। जिन बच्चों को बचपन में एब्डॉमिनल माइग्रेन की शिकायत होती है, बड़े होकर उन्हें सिर का माइग्रेन होने की संभावना भी बहुत ज्यादा होती है।

ऐब्डॉमिनल माइग्रेन के सही-सही कारण का अब तक पता नहीं लगा है, लेकिन डॉक्टर मानते हैं कि शरीर में बनने वाले दो कंपाउंड हिस्टामाइन और सेरोटोनिन इस तरह के दर्द के जिम्मेदार होते हैं। शरीर में ये दोनों ही कंपाउंड ज्यादा चिंता करने और अवसाद के कारण बनते हैं। चाइनीज फूड्स और इंस्टैंट नूडल्स में इस्तेमाल होने वाला मोनोसोडियम ग्लूटामेट या एमएसजी, प्रोसेस्ड मीट और चॉकलेट के ज्यादा सेवन से भी शरीर में ये कंपाउंड बनते हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

'द सीजेपी इफेक्ट'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। देश की राजनीति में जहां अरबों रुपये के चुनावी फंड और बड़े-बड़े दिग्गजों का दबदबा कायम है, वहीं सोशल मीडिया की स्क्रीन से निकला एक नया प्रयोग मुख्यधारा के नेताओं की नींद उड़ा रहा है। नाम हैकृकाकरोच जनता पार्टी। यह कोई पारंपरिक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि सिस्टम के खिलाफ उपजा युवाओं का वो आक्रोश है, जो अब नारों से नहीं, सीधे समाधान की मांग कर रहा है।

मई 2026 में जब सुप्रीम कोर्ट में एक सुनवाई के दौरान युवाओं की स्थिति को लेकर काकरोच जैसे शब्द का इस्तेमाल हुआ, तो इंटरनेट पर गुस्सा फूट पड़ा। पुणे के अभिजीत दीपके ने व्यंग्य के रूप में इंस्टाग्राम पर एक पेज शुरू किया। महज 5 दिनों के भीतर इस काकरोच जनता पार्टी ने फालोअर्स के मामले में सत्ताधारी भाजपा के आफिशियल हैंडल को भी पीछे छोड़ दिया। आलसी और बेरोजगारों की आवाज की टैगलाइन के साथ देश का जेन-जी युवा इससे जुड़ता चला गया।

जब आलोचकों ने इसे सिर्फ फोन चलाने वाले युवाओं का शौक कहा तब युवाओं ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक और शिक्षा मंत्रालय की नाकामियों के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन कर सबको चौंका दिया। विपक्ष के नेताओं के साथ-साथ पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक ने भी खुद को मानद काकरोच घोषित कर युवाओं के इस अनूठे विरोध का समर्थन किया। अब देश का युवा मुफ्त की रेवड़ियों, जातिगत समीकरणों या बड़े-बड़े भाषणों से बहलने वाला नहीं है। उन्हें पारदर्शी परीक्षाएं, रोजगार और बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे बुनियादी मुद्दों पर ठोस एक्शन चाहिए।

भले ही काकरोच जनता पार्टी चुनाव आयोग में रजिस्टर्ड दल नहीं है, लेकिन

- ❑'काकरोच' बने देश के युवाओं की नई सियासी पहचान
- ❑कोर्ट रूम के एक 'तंज' से हो गया बड़ा डिजिटल ब्लास्ट
- ❑बिना बड़े नेताओं व पारंपरिक राजनीतिक ढांचे की आवाज
- ❑व्यवस्था से नाराज युवाओं के एक तबकों को मिला नया मंच

इसने यह साबित कर दिया है कि सोशल मीडिया की ताकत सरकारों को घुटने टेकने पर मजबूर कर सकती है। काकरोच जनता पार्टी का दावा है कि वह किसी एक नेता, परिवार या विचारधारा के इर्द-गिर्द नहीं, बल्कि आम लोगों के मुद्दों को केंद्र में रखकर अपनी मुहिम चला रही है। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, शिक्षा, स्वास्थ्य और आम नागरिकों की रोजमर्रा की समस्याओं को लेकर पार्टी के कार्यकर्ता राजधानी में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार काकरोच को प्रतीक के रूप में चुनना अपने आप में एक संदेश है। काकरोच को ऐसा जीव माना जाता है जो विपरीत परिस्थितियों में भी जीवित रहता है। पार्टी इसे आम आदमी के संघर्ष और जीवटता का प्रतीक बताती है। उनका कहना है कि जिस तरह आम जनता तमाम मुश्किलों के बावजूद जीवन की लड़ाई लड़ती है, उसी भावना को यह प्रतीक दर्शाता है।

राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि बिना मजबूत संगठन और प्रभावशाली नेतृत्व के किसी आंदोलन को लंबे समय तक बनाए रखना आसान नहीं होता। लेकिन सोशल मीडिया और जन भागीदारी के इस दौर में नए राजनीतिक प्रयोगों की संभावनाओं से भी इनकार नहीं किया जा सकता। देश में युवाओं के बीच रोजगार, किसानों के बीच आय, मध्यम वर्ग के बीच महंगाई और शहरी क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को लेकर असंतोष की चर्चा समय-समय पर होती रही है। यदि काकरोच जनता पार्टी इन मुद्दों को संगठित रूप से उठाने और लोगों को जोड़ने में सफल रहती है, तो यह मुख्यधारा की राजनीति पर दबाव बनाने का काम कर सकती है।

विशेषज्ञ मानते हैं कि भले ही नई राजनीतिक ताकतें तत्काल सत्ता तक न पहुंचें, लेकिन वह जनमत निर्माण और राजनीतिक विमर्श को प्रभावित करने की क्षमता रखती हैं। कई बार ऐसे ही आंदोलनों ने बड़े दलों को अपनी नीतियां बदलने पर मजबूर किया है। दिल्ली की राजनीति में अपनी जगह बनाना किसी भी नए संगठन के लिए आसान नहीं है। संसाधन, संगठन, कार्यकर्ता नेटवर्क और जनविश्वास जैसी कई चुनौतियां सामने होती हैं। इसके अलावा आंदोलन को केवल विरोध की राजनीति तक सीमित न रखकर ठोस वैकल्पिकदृदृष्टि प्रस्तुत करनी होगी।

फिलहाल काकरोच जनता पार्टी एक राजनीतिक जिज्ञासा और चर्चा का विषय बनी हुई है। लेकिन इतिहास गवाह है कि जनता के मुद्दों पर खड़े हुए कई छोटे आंदोलन समय के साथ बड़े राजनीतिक बदलावों का कारण बने हैं। दिल्ली में सुनाई दे रही काकरोच पार्टी की आहट भविष्य में कितनी दूर तक जाएगी, यह तो समय बताएगा, लेकिन इतना तय है कि इसने व्यवस्था से असंतुष्ट लोगों के बीच एक नई बहस जरूर छेड़ दी है।

शब्द सामर्थ्य -061

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. तकलीफ, कष्ट, कठिनाई, परेशानी 3. सरल, सहज 6. ज्ञान प्राप्त करना, शिक्षा लेना 7. विवश, लाचार 8. अत्यधिक ठंडा, सुस्त 9. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 11. सूर्य, सूरज 13. वस्त्र आदि धारण कराना 15. अप्रसन्न, नाखुश 16. खिंचाव, आकर्षण शक्ति (उ.) 18. एक रंग, आसमानी रंग 22. सेवा-सत्कार, आवभगत 23. सर्प, सांप, लकड़ी आदि की मूर्ति बनाना।

ऊपर से नीचे

1. हृदर, उर 2. शिष्टता, भद्रता, विवेक (उ.) 3. अंततः, अंततोगत्वा 4. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 5. आवागमन, गमनागमन 7. पुरुष 8. घोड़े की तेज चाल, तेज गति की दौड़ 10. लूटपाट, डकैती 12. बबार्दी, तबाही 14. नासिका, श्वसनइंद्रीय 17. आखेटक, अरेही 19. योग्य, काबिल 20. कामदेव की पत्नी, प्रेम, आनंद 21. रात्रि, निशा।

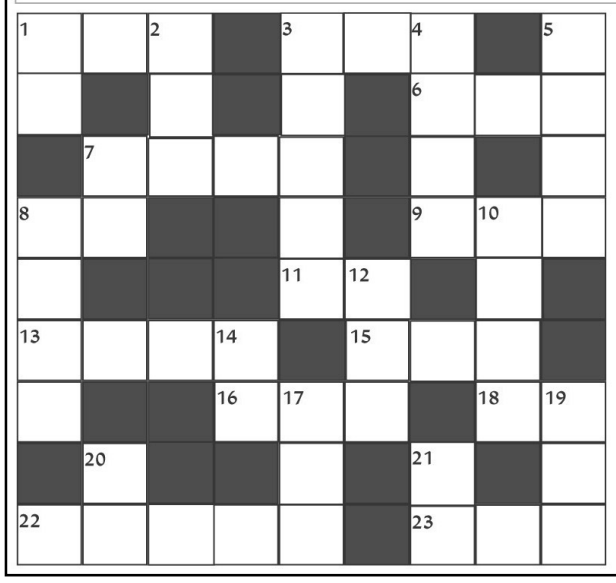

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 60 का हल

चु	स्त		मु		सं	स्था	न	
ग		म	र्दा	न	गी		त	म
ली	प	ना			त	न		
	ना	ना					ज	
मा	ह		रा		सा	ज	न	
न		स	ह	दे	व		म	द
व		म		व	न	ज		ल
ता	क	त	व	र		मी		द
	ल	ल	क		क	र	त	ल

अपने कुत्ते को घर के अंदर खुश रखने के लिए आजमाएं ये आसान तरीके

कुत्ते हमारे सबसे अच्छे दोस्त होते हैं और उन्हें खुश रखना हर मालिक की प्राथमिकता होती है। खासकर जब कुत्ते घर के अंदर ही रहते हैं तो उनका मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य बनाए रखना जरूरी हो जाता है। इस लेख में हम कुछ आसान और प्रभावी तरीकों पर चर्चा करेंगे, जिनसे आप अपने कुत्ते को घर के अंदर खुश और स्वस्थ रख सकते हैं। इन तरीकों से आपका कुत्ता सक्रिय रहेगा और उसका मनोबल भी ऊंचा रहेगा। अपने कुत्ते के लिए रोजाना खेल-कूद का समय तय करें। यह न केवल उसके शरीर के लिए अच्छा है बल्कि दिमाग को भी सक्रिय रखता है। आप उसके साथ गेंद खेल सकते हैं, उसे दौड़ा सकते हैं या फिर उसके साथ कोई और खेल खेल सकते हैं। इससे उसका ऊर्जा स्तर बना रहेगा और वह खुश रहेगा। इसके अलावा आप उसके साथ कुछ नई गतिविधियां भी आजमा सकते हैं, जैसे कि बाधा कोर्स या पहेली खेल।

अपने कुत्ते को नई चीजें सिखाना उसके लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। आप उसे बैठना, लेटना, घुमना आदि आदेश सिखा सकते हैं। इसके अलावा आप उसे कुछ खास कलाएं भी सिखा सकते हैं जैसे कि गोल-गोल घूमना। यह न केवल उसके दिमाग को सक्रिय रखता है बल्कि उसे आपकी बात मानने की आदत भी डालता है। नियमित सीखने का समय उसके आत्मविश्वास को बढ़ाता है और उसे अधिक अनुशासित बनाता है। अपने कुत्ते को मानसिक चुनौतियां देना बहुत जरूरी है ताकि वह बोर न हो और उसका मनोबल ऊंचा बना रहे। आप उसे पहेली खिलौने दे सकते हैं जिनमें उसे खाने के लिए छिपे हुए टुकड़े ढूंढने होते हैं या फिर बाधा कोर्स में दौड़ा सकते हैं। इसके अलावा आप उसे अलग-अलग सुगंध पहचानने का खेल भी सिखा सकते हैं जिससे उसकी मानसिक क्षमता बढ़ती है। इन गतिविधियों से उसका ध्यान केंद्रित रहता है और वह खुश रहता है।

कुत्ते का खाना भी उसकी खुशी में अहम भूमिका निभाता है। उसे संतुलित खाना देना बहुत जरूरी है जिसमें प्रोटीन, विटामिन्स और खनिज शामिल हों। इसके अलावा पानी की पर्याप्त मात्रा देना भी जरूरी है ताकि वह हाइड्रेटेड रहे। कभी-कभी उसे विशेष खाने की चीजें भी दें जैसे कि सब्जियां या फल, जो उसके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हों। समय-समय पर पशु चिकित्सक से उसकी सेहत की जांच करवाते रहें ताकि किसी प्रकार की समस्या समय रहते पता चल सके।

अपने कुत्ते के लिए आरामदायक जगह बनाना बहुत जरूरी है जहां वह आराम से बैठ सके या सो सके। यह जगह शांत होनी चाहिए ताकि वह बिना किसी विघ्न के आराम कर सके। वहां उसकी पसंदीदा खिलौने रखें ताकि वह जब चाहे खेल सके। इन सरल तरीकों से आप अपने प्यारे दोस्त को घर पर ही खुश और स्वस्थ रख सकते हैं। याद रखें, आपका कुत्ता आपका सबसे अच्छा दोस्त है, उसकी देखभाल करना आपका कर्तव्य बनता है।

गुस्से को नियंत्रित करने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके, मिलेगी राहत

गुस्सा एक सामान्य मानवीय भावना है, लेकिन इसे नियंत्रित करना जरूरी है। अक्सर हम बिना सोचे-समझे अपने गुस्से का सामना करते हैं, जिससे हमारे रिश्ते खराब हो सकते हैं और हमारा मानसिक स्वास्थ्य भी प्रभावित हो सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ सरल और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने गुस्से को नियंत्रित कर सकते हैं और एक शांत और संतुलित जीवन जी सकते हैं।

जब भी आपको गुस्सा आए तो सबसे पहले गहरी सांस लें। यह तरीका आपके दिमाग को शांत करने में मदद करता है और आपके विचारों को साफ करता है। गहरी सांस लेने से आपके शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है, जिससे आपका मन शांत होता है और आप स्थिति को बेहतर तरीके से समझ पाते हैं। इसके अलावा गहरी सांस लेने से आपका तनाव भी कम होता है और आप अधिक शांत महसूस करते हैं।

गुस्सा आने पर तुरंत प्रतिक्रिया देने से बचें। पहले खुद को थोड़ा समय दें ताकि आप स्थिति को सही तरीके से समझ सकें। उदाहरण के लिए अगर आप किसी बात पर गुस्सा हो रहे हैं तो थोड़ी देर के लिए वहां से हट जाएं या किसी अन्य काम में लग जाएं। इससे आपका मन शांत होगा और आप बेहतर निर्णय ले सकेंगे। इस तरह आप बिना किसी जल्दबाजी के स्थिति को संभाल सकते हैं।

गुस्सा आने पर नकारात्मक विचार आते हैं, जो आपकी स्थिति को और खराब कर सकते हैं। कोशिश करें कि आप सकारात्मक सोचें और उन चीजों पर ध्यान दें, जो आपको खुश करती हैं या जिनसे आपको प्रेरणा मिलती है। उदाहरण के लिए अगर आपका कोई साथी आपके साथ गलत व्यवहार कर रहा है तो उसके बजाय उन लोगों की सराहना करें, जो आपके साथ अच्छा व्यवहार करते हैं या अपनी पसंदीदा गतिविधियों में व्यस्त रहें।

शारीरिक गतिविधियां जैसे कि दौड़ना, साइकिल चलाना या योग करना आपके शरीर में एक खास प्रकार का हार्मोन रिलीज करते हैं, जो आपके मूड को बेहतर बनाते हैं। इसके अलावा नियमित व्यायाम करने से आपका मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर रहता है। इससे आपका तनाव भी कम होता है और आप अपने गुस्से को बेहतर तरीके से संभाल पाते हैं। शारीरिक गतिविधियों से आपका मन शांत रहता है और आप सकारात्मक महसूस करते हैं। अगर किसी वजह से आपका गुस्सा बढ़ रहा है तो बेहतर होगा कि आप उस व्यक्ति से खुलकर बात करें, जिससे आपको समस्या है। अपनी भावनाओं को साफ-साफ शब्दों में व्यक्त करें ताकि गलतफहमियां दूर हों और स्थिति बेहतर हो सके। इससे न केवल आपका गुस्सा कम होगा बल्कि आपके रिश्ते भी मजबूत होंगे।

खुद की काबिलियत पर भरोसा करें महिलाएं, मेहनत से मिलती है कामयाबी : हुमा कुरैशी

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी इन दिनों कान्स फिल्म फेस्टिवल में अपना जलवा बिखेर रही हैं। मंगलवार को अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपना नया लुक शेयर किया, जिसके साथ उन्होंने आज की भारतीय महिला की पहचान को लेकर एक बेहद दिलचस्प और दिल छू लेने वाली बात कही है। हुमा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस लेटेस्ट लुक की कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में वे ब्लैक कलर के खूबसूरत वनपीस आउटफिट में नजर आ रही हैं। अपनी इस पोस्ट में उन्होंने लिखा, मेरे लिए एक आधुनिक भारतीय महिला होने का मतलब परफेक्ट होना नहीं है, बल्कि अपनी जड़ों (संस्कृति) को छोड़े बिना अपनी मेहनत के दम पर दुनिया में धीरे-धीरे आगे बढ़ना है। खुद को बदले बिना दुनिया में अपनी एक अलग और नई पहचान बनाना ही सबसे बड़ी खूबी है।

हुमा ने महिलाओं का हौसला बढ़ाते हुए लिखा, जीवन में मुश्किलों से डरने के बजाय उन्हें अपनी असली ताकत बनाना चाहिए। अपने सपनों को खुलकर और खूबसूरती से जीना जरूरी है। जब आप किसी ऊंचे मुकाम पर पहुंचें, तो आपके मन में यह पक्का विश्वास होना चाहिए कि आप यहां सिर्फ अपनी किस्मत के भरोसे नहीं, बल्कि अपनी कड़ी मेहनत के दम पर पहुंची हैं।

अभिनेत्री ने आखिर में लिखा कि हर महिला को हमेशा पूरी सच्चाई और आत्मविश्वास के साथ अपनी जिंदगी जीनी चाहिए। उन्होंने लिखा, जिंदगी में जब भी कोई नया मोड़ आए, तो उसे अपनी सकारात्मकता से खास बना देना चाहिए। फिर मिलेंगे कान्स में।

अभिनेत्री हुमा कुरैशी जल्द ही टॉक्सिक- ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स में नजर आएंगी। यश की इस बहुचर्चित पीरियड गैंगस्टर ड्रामा फिल्म में अभिनेत्री एलिजाबेथ का किरदार निभा रही हैं। गीतु मोहनदास के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में उनका लुक बेहद रहस्यमयी और शाही है।

यह फिल्म 194० से 197० के दशक के बीच के गोवा पर आधारित एक डार्क गैंगस्टर ड्रामा है। इसमें क्राइम सिंडिकेट, ड्रग तस्करी और सत्ता की लड़ाई दिखाई जाएगी। फिल्म में यश के साथ कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मणी वसंत भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

फिल्म तेरा यार हूं मैं अब 31 जुलाई को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

पिछले साल एक दीवाने की दीवानियत' जैसी रोमांटिक फिल्म देने वाले निर्देशक मिलाप जावेरी अब एक और रोमांटिक फिल्म तेरा यार हूं मैं' लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म से निर्देशक इंद्र कुमार के बेटे अमन इंद्र कुमार बॉलीवुड में कदम रखने जा रहे हैं। फरवरी में जारी हुए फिल्म के फर्स्ट लुक के बाद अब फिल्म की नई रिलीज डेट सामने आ गई है।

मेकर्स ने आज फिल्म की नई रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। फिल्म का एक पोस्टर जारी करते हुए मेकर्स ने ये कंफर्म किया कि तेरा यार हूं मैं' 31 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।

इसके साथ ही कैप्शन में मेकर्स ने लिखा, प्यार, दोस्ती, इमोशन और संगीत के लिए तैयार हो जाइए। तेरा यार हूं मैं 31 जुलाई को सिनेमाघरों में आ रही है।' इसके साथ ही मेकर्स ने कंफर्म किया कि फिल्म से इंद्र कुमार के बेटे अमन कुमार अपनी शुरुआत कर रहे हैं। उनके साथ आकांक्षा शर्मा इस प्यार, ड्रामा, कॉमेडी और एक्शन से भरपूर म्युजिकल लव स्टोरी में नजर आएंगी।

इससे पहले मेकर्स ने फरवरी में फिल्म की घोषणा करते हुए इसका फर्स्ट लुक जारी किया था। तब मेकर्स फिल्म को 22 मई को रिलीज करने वाले थे। लेकिन अब मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट बदल दी है। फिल्म का जो पोस्टर जारी किया गया है, उसमें फिल्म के लीड कलाकार अमन इंद्र कुमार और आकांक्षा शर्मा नजर आ रहे हैं। व्हाइट बैकग्राउंड में दोनों के चेहरों का क्लोज अप शॉट है, जिसमें दोनों एक-दूसरे में खोए नजर आ रहे हैं। अभी तक फिल्म की कहानी के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

मिलाप जावेरी की आखिरी निर्देशित फिल्म मस्ती' फ्रेंचाइजी की मस्ती 4' है, जो पिछले साल रिलीज हुई थी। पिछले साल ही उनकी रोमांटिक फिल्म एक दीवाने की दीवानियत' भी रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने काफी चर्चाएं बटोरी थीं। वहीं क्रिटिक्स और दर्शकों की भी इसे मिली-जुली प्रतिक्रिया हासिल हुई थी। अब वो तेरा यार हूं मैं' के साथ एक नई लव स्टोरी लेकर आ रहे हैं।

मतदाता जागरूकता रथों को दिखाई हरी झंडी

बागेश्वर(आरएनएस)। उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी एनएस नबियाल ने जिले की दोनों विधानसभा क्षेत्रों के लिए मतदाता जागरूकता रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान लोकतंत्र को मजबूत बनाने की महत्वपूर्ण पहल है। साथ ही नागरिकों से मतदाता सूची के शुद्धिकरण और अद्यतन कार्य में सहयोग देने तथा बीएलओ को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने की अपील की। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 को सफल बनाने और मतदाताओं में जागरूकता बढ़ाने के लिए जिले के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में निर्वाचन साक्षरता क्लबों के माध्यम से हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है। बताया जाएगा कि आठ जून से सात जुलाई तक बीएलओ घर-घर जाकर गणना प्रपत्रों का वितरण और संकलन करेंगे। यदि कोई मतदाता पहली बार घर पर नहीं मिलता है तो बीएलओ तीन बार संपर्क का प्रयास करेंगे। मतदाता ईसीआई नेट, वोटर हेल्पलाइन ऐप और निर्वाचन आयोग की वेबसाइट के माध्यम से गणना प्रपत्र डाउनलोड कर ऑनलाइन भी जमा कर सकते हैं। 'बुक ए कॉल विद बीएलओ' सुविधा के जरिए अपने क्षेत्र के बीएलओ से सीधे संपर्क स्थापित कर आवश्यक जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

उत्तरकाशी में डीपीआरओ का पद खाली, पंचायत कार्यों पर असर

उत्तरकाशी(आरएनएस)। जिला पंचायत राज अधिकारी के 31 मई को सेवानिवृत्त होने के बाद जिला पंचायत राज कार्यालय में नियमित अधिकारी का पद रिक्त हो गया है। इससे पंचायतों से जुड़े प्रशासनिक कार्यों के समन्वय और निगरानी पर असर पड़ने की संभावना है। हालांकि, विभाग ने जल्द नए अधिकारी की तैनाती का भरोसा दिलाया है। पंचायती राज विभाग के उप निदेशक मनोज कुमार तिवारी ने बताया कि डीपीआरओ के सेवानिवृत्त होने के बाद पद रिक्त है। फिलहाल व्यवस्था बनाए रखने के लिए चिन्यालीसौड़ विकासखंड के एक अधिकारी को अतिरिक्त प्रभार दिया गया है जो जल्द कार्यभार ग्रहण करेंगे। उन्होंने कहा कि नियमित नियुक्ति की प्रक्रिया भी जारी है और जल्द नए अधिकारी की तैनाती हो जाएगी। जिला पंचायत राज अधिकारी ग्राम पंचायतों के प्रशासनिक कार्यों, पंचायत प्रतिनिधियों से समन्वय, विकास योजनाओं की निगरानी, स्वच्छता कार्यक्रमों के क्रियान्वयन, पंचायत निधियों से जुड़े मामलों और विभिन्न सरकारी योजनाओं की समीक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में नियमित अधिकारी के अभाव में फाइलों के निस्तारण, पंचायतों से जुड़े पत्राचार और विकास कार्यों की निगरानी में कुछ देरी की स्थिति बनने से दिक्कतें खड़ी हो सकती है।

सू- दोकू क्र.061

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 60 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3

ज्ञानसू साल्ड-ऊपरीकोट से स्यानाचट्टी तक बनाया जाए मार्ग

उत्तरकाशी(आरएनएस)। गंगोत्री व यमुनोत्री धाम के बीच यात्रा को अधिक सुगम और समयबद्ध बनाने वाली सड़क परियोजना को लेकर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को ज्ञापन सौंपा गया है।

उत्तराखंड राज्य औषधीय पादप बोर्ड के उपाध्यक्ष प्रताप सिंह पंवार ने मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप ज्ञानसू साल्ड-ऊपरीकोट से स्यानाचट्टी तक मोटर मार्ग निर्माण को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने की मांग की है।ज्ञापन में कहा गया है कि मुख्यमंत्री की घोषणा के तहत परियोजना को स्वीकृति दी जा चुकी है और इसके संबंध में शासनादेश भी जारी हो चुका है लेकिन घोषणा के बावजूद अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है। उन्होंने परियोजना को जनहित, धार्मिक पर्यटन और क्षेत्रीय विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बताया है।

प्रस्तावित योजना के अनुसार वर्तमान में ज्ञानसू से ऊपरीकोट तक लगभग 18 किलोमीटर मोटर मार्ग पहले से मौजूद है। लोनिवि के प्रारंभिक सर्वे में ऊपरीकोट से स्यानाचट्टी तक मात्र 3 किलोमीटर सुरंग और 8 किलोमीटर सड़क निर्माण की आवश्यकता बताई गई है। इस प्रकार केवल 11 किलोमीटर नए मार्ग के निर्माण से दोनों क्षेत्रों के बीच सीधा संपर्क स्थापित हो सकता है।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि वर्तमान में गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग के माध्यम से लगभग 228 किलोमीटर की यात्रा करनी पड़ती है। प्रस्तावित मार्ग बनने के बाद यह दूरी घटकर करीब 148 किलोमीटर रह जाएगी। इससे लगभग 80 किलोमीटर दूरी और करीब चार घंटे यात्रा समय की बचत होगी। पंवार ने कहा कि मार्ग केवल दो प्रमुख धामों को जोड़ने वाला संपर्क मार्ग नहीं होगा बल्कि क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास की नई संभावनाएं भी खोलेगा। इससे लाखों श्रद्धालुओं, पर्यटकों और स्थानीय निवासियों को लाभ मिलेगा।

पारिवारिक मिलन समारोह से दिया भाईचारे को बढ़ावा

विकासनगर(आरएनएस)। खत बमठाड के बोहा गांव में कर्मचारी विकास मंडल समिति की ओर से पारिवारिक मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गांव के समस्त सेवारत कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर आपसी स्नेह व भाईचारे का अनूठा उदाहरण पेश किया।

समारोह का मुख्य उद्देश्य गांव की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और परंपरा को बढ़ावा देना है, ताकि आने वाली पीढ़ी अपनी जड़ों से गहराई से जुड़ी रहे। आयोजन के दौरान कर्मचारियों और महिलाओं ने अपनी पारंपरिक वेशभूषा में सजे-धजे होकर हारूल, तांदी, झैंता और रासो जैसे पारंपरिक लोक नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुति दी।

लोक कला की इन छटाओं ने कार्यक्रम में समां बांध दिया, जिससे नई पीढ़ी काफी प्रभावित हुई। समिति के सदस्यों ने बताया कि गांव में प्रथम पारिवारिक मिलन समारोह का आयोजन किया गया है। भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजनों को निरंतर जारी रखा जाएगा, ताकि गांव की एकता बनी रहे और नई पीढ़ी अपनी लोक संस्कृति को संरक्षित करने के लिए प्रेरित हो सके। इस दौरान कुंदन सिंह नेगी, नरेश नेगी, चतर सिंह नेगी, पूरण सिंह नेगी, दीवान सिंह नेगी, बालम नेगी, कल्याण सिंह नेगी, विकास नेगी, जगत सिंह नेगी, आनंद सिंह, गुमान सिंह, सुरेंद्र सिंह, भगत सिंह, प्रताप सिंह, मुकेश नेगी, बलबीर नेगी आदि मौजूद रहे।

विधायक ने संगठन की मजबूती पर दिया बल

बागेश्वर(आरएनएस)। विधानसभा बागेश्वर के खरेही मंडल की मासिक संगठनात्मक बैठक ग्राम कठपुड़ियाछीना में की गई। अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष घनश्याम राणा ने की। बैठक में संगठन की आगामी रणनीति, बूथ सशक्तिकरण अभियान तथा पार्टी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। विधायक पार्वती दास ने कहा कि ग्राम प्रधानों का भाजपा में शामिल होना डबल इंजन सरकार पर जनता के बढ़ते विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इससे गांवों तक विकास योजनाओं को और अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाने में मदद मिलेगी। बैठक में मंडल प्रभारी खड़क टंगड़िया, रवि करायत, दीपा आर्या, जिला मंत्री महेश मिश्रा, भाजपा युवा मोर्चा जिला महामंत्री नितिन जोशी, खीम सिंह नेगी, हरीश सिंह नेगी, शंभू दत्त मिश्रा, बालम नगरकोटी सहित मंडल के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। संचालन मंडल महामंत्री मनोज पंत और नंदन गेड़ा ने किया।

मांगें पूरी न होने पर हड़ताल की चेतावनी

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ से जुड़े कर्मचारियों ने मांगों के संबंध में नगर पालिका प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने मांगों पर 13 जून तक कार्रवाई न होने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी दी। उन्होंने वर्ष 2018 तक 10 वर्ष सेवा पूरी करने वाले कर्मचारियों का नियमितीकरण करने, दैनिक पर्यावरण मित्रों का मानदेय 500 रुपये प्रतिदिन करने, सभी कर्मचारियों के लिए 25 लाख रुपये की बीमा योजना लागू करने, मोहल्ला स्वच्छता समितियों का लंबित वेतन जारी करने और ईपीएफ कटौती की मांग है। उन्होंने न्यूनतम 1065 रुपये प्रतिदिन वेतन की मांग भी की। ज्ञापन देने वालों में मुख्य सलाहकार आनंद सिंह गोडियाल, अध्यक्ष मनीष गोडियाल, नगर उपाध्यक्ष सुधेश कुमार, सचिव गौरव कुमार, संगठन मंत्री प्रमोद कुमार, कोषाध्यक्ष खजान सिंह, प्रचार मंत्री अरुण कुमार आदि शामिल रहे।

80 बार शिकायतों के बाद भी नहीं हटा सरकारी भूमि से कब्जा

रुड़की(आरएनएस)। थाना क्षेत्र के गांव झबरेड़ी कला निवासी एक व्यक्ति ने सरकारी भूमि से अवैध कब्जा हटवाने के लिए मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर दर्जनों शिकायतें दर्ज कराई हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। पीड़ित राजकुमार ने बताया कि वर्ष 2022 से लेकर अब तक वह करीब 80 बार मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पोर्टल पर शिकायत दर्ज करा चुके हैं। शिकायत में ग्राम झबरेड़ी कला स्थित सरकारी भूमि के खसरा नंबर 233, 234, 235 और 237 पर किए गए कथित अवैध कब्जे को हटाने की मांग की गई है। राजकुमार का आरोप है कि प्रत्येक शिकायत के बाद उच्च अधिकारियों की ओर से रुड़की तहसील प्रशासन को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने और अवैध कब्जा हटवाने के निर्देश दिए जाते हैं, लेकिन स्थानीय स्तर पर इन आदेशों का पालन नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कई बार शिकायतों के निस्तारण का दावा किया गया, जबकि मौके पर स्थिति जस की तस बनी हुई है।

ट्रैकिंग कंपनियों को अब ग्राम पंचायत को देना होगा पर्यावरण संरक्षण शुल्क

उत्तरकाशी(आरएनएस)। विकासखंड मोरी की ग्राम पंचायत गंगाड़ ने क्षेत्र में बढ़ रही ट्रैकिंग गतिविधियों को देखते हुए ट्रैकिंग कंपनियों के लिए नए नियम लागू किए हैं। पंचायत का कहना है कि पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला ग्राम सभा की खुली बैठक में लिया गया। अब क्षेत्र में ट्रैकिंग कराने वाली कंपनियों को पंचायत के नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा। अब प्रत्येक कंपनी को पंचायत में 2,000 रुपये स्थानीय विकास और पर्यावरण संरक्षण शुल्क जमा करना होगा। ट्रैकिंग के दौरान निकलने वाले प्लास्टिक और अन्य कचरे को वापस लाना भी अनिवार्य रहेगा।

ट्रैक मार्गों, बुग्यालों और प्राकृतिक स्थलों पर किसी भी तरह का कचरा फेंकने या छोड़ने की अनुमति नहीं होगी। ग्राम पंचायत ने धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों की गरिमा बनाए रखने पर भी जोर दिया है। पंचायत के अनुसार सभी ट्रैकर्स और ट्रैकिंग कंपनियों को स्थानीय परंपराओं एवं रीति-रिवाजों का सम्मान करना होगा। बिना पंचायत की अनुमति के कैंप स्थापित करने अथवा फिल्मांकन करने पर संबंधित कंपनी के खिलाफ 50 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकेगा।

इसके अतिरिक्त जल स्रोतों, बुग्यालों, धारों व चारागाह क्षेत्रों को प्रदूषित करना पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। पंचायत ने सभी ट्रैकिंग कंपनियों को निर्देश दिए हैं कि वे निर्धारित नियमों का पालन करते हुए 14 जून 2026 तक विकास एवं पर्यावरण संरक्षण शुल्क पंचायत के पास जमा कराएं। प्रस्ताव पर ग्राम प्रधान सैंन सिंह उमराव सिंह, कृतम सिंह, इंद्रा सिंह, जगमोहन सिंह, चंडीदास चंद्रू, सैंजी लाल, जुनिया, सूरत सिंह, रणवीर सिंह, बरदान सिंह, पंकज सिंह, प्रवेश, सुरतिया, जबर सिंह, राजपाल सिंह, इंद्राराम, शीशपाल सिंह, लायबर सिंह, कृष्णा सिंह व ठाकुर सिंह के हस्ताक्षर हैं।

निर्वाचन सकुशल सम्पन्न कराने के लिए कडे सुरक्षा व्यवस्थाः चौबे

संवाददाता

टिहरी। एसएसपी श्वेता चौबे ने कहा कि निर्वाचन को सकुशल संपन्न कराने के लिए मतदान केंद्रों एवं संवेदनशील स्थलों का गहन निरीक्षण कर सुरक्षा के दृष्टिगत आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

आज यहां एसएसपी श्रीमती श्वेता चौबे के कुशल नेतृत्व में स्थानीय निकाय सामान्य निर्वाचन-2026 के दृष्टिगत नगरपालिका परिषद नरेंद्रनगर में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद, टिहरी पुलिस पूरी तरह सतर्क। स्थानीय निकाय सामान्य निर्वाचन-2026 को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक टिहरी गढ़वाल श्रीमती श्वेता चौबे के निर्देशन में नगरपालिका परिषद नरेंद्रनगर क्षेत्र में व्यापक सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं। निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु टिहरी पुलिस द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली गई हैं। निर्वाचन को सकुशल संपन्न कराने के लिए मतदान केंद्रों एवं संवेदनशील स्थलों का गहन निरीक्षण कर सुरक्षा के दृष्टिगत आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है तथा मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। सुरेंद्र सिंह भंडारी, क्षेत्राधिकारी नरेंद्र नगर मय पुलिस, पीएसी एवं अन्य सुरक्षा बलों के लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा ले रहे हैं। निर्वाचन अवधि के दौरान असामाजिक तत्वों, उपद्रवियों एवं कानून व्यवस्था प्रभावित करने वाले व्यक्तियों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। साथ ही क्षेत्र में लगातार चेकिंग अभियान चलाकर संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की जांच की जा रही है। पुलिस द्वारा होटल, धर्मशाला एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर भी सतर्क निगरानी रखी जा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीमती श्वेता चौबे द्वारा निर्वाचन ड्यूटी में तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं सुरक्षा व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। किसी भी प्रकार की अफवाह, भ्रामक सूचना अथवा कानून व्यवस्था भंग करने के प्रयासों पर तत्काल एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। टिहरी गढ़वाल पुलिस आमजन से भी अपील करती है कि निर्वाचन प्रक्रिया को शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक ढंग से संपन्न कराने में पुलिस एवं प्रशासन का सहयोग करें।

चाय की दुकान की आड़ में पिला रहा था लोगों को शराब, गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। चाय की दुकान की आड़ में लोगों को शराब पिलाने वाले एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके खिलाफ अग्रिम कार्यवाही जारी है। जानकारी के अनुसार बीती रात थाना बसंतविहार पुलिस को सूचना मिली कि अनुराग चौक के पास स्थित एक चाय की दुकान में दुकान मालिक द्वारा लोगों को शराब पिलाई जाती है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान पर छापेमारी करते हुए दुकान संचालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसके पास से दो बीयर की खाली बोतले, दो शराब के पव्वे, एक बोतल अंग्रेजी शराब व चार बीयर के केन बरामद हुए। पूछताछ में दुकान संचालक ने अपना नाम विनोद कुमार पुत्र धर्मदास निवासी शास्त्री नगर खाला, इंदिरा नगर, वसंत विहार, देहरादून बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्यवाई शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री ने 221 अभ्यार्थियों को किये..

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

नमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश, विकसित भारत-2047 के महान संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। इस अमृतकाल में सभी ने मिलकर इस महायज्ञ में सक्रिय भागीदारी निभानी है और राष्ट्र निर्माण में अपना अमूल्य योगदान देना है। कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि उत्तराखंड में एक समय ऐसा था जब लोग सरकारी नौकरी का सपना देखा करते थे, पर आज टैलेंटेड युवा अपनी मेहनत से सरकारी नौकरी पा रहा है। तय समय में युवाओ को नियुक्ति पत्र भी मिल रहे हैं। अब तक मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हजारों युवा को बिना किसी शिकायत के सरकारी नौकरी मिली है। मुख्यमंत्री श्री धामी ने राज्य के बच्चों के भविष्य को संवारने का काम किया है। उन्होंने बताया कौशल विकास एवं सेवायोजन विभाग के प्रशिक्षण प्रखण्ड के अन्तर्गत चयनित 173 अनुदेशकों, 04 वैयक्तिक सहायकों एवं पशुपालन विभाग में चयनित 09 वैयक्तिक सहायक को नियुक्ति पत्र वितरित किए जा रहे हैं। कैबिनेट मंत्री राम सिंह कैड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बिना सिफारिश के नियुक्तियां हो रही हैं। आज मेहनती बच्चों को ही पारदर्शिता से नौकरियां मिल रही हैं। बीते 2 वर्षों में शहरी विकास विभाग में 215 लोगों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए हैं। आज शहरी विकास विभाग में चयनित 35 सहायक लेखाकारों को नियुक्ति पत्र वितरण किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा आज युवा मुख्यमंत्री श्री धामी पर भरोसा करते हैं। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, विधायक उमेश शर्मा काऊ, विधायक श्रीमती सविता कपूर, गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजेंद्र अणथ्वाल, भूपेंद्र कंडारी, सचिव नितेश झा, अपर सचिव सी. रविशंकर एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

नाबार्ड द्वारा निर्मित पॉली हाउस पर ही की जाएगी ब्लूबेरी की खेती

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने कहा कि नाबार्ड के सहयोग से सहसपुर ब्लॉक के चयनित गांवों में पॉलीहाउस स्थापित किए जाएंगे, जिनमें ब्लूबेरी की खेती की जाएगी।

कृषि एवं बागवानी क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में देहरादून जिला प्रशासन ने एक नई पहल शुरू की है। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान के नेतृत्व में जनपद में पहली बार ब्लूबेरी खेती का पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया जा रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशन में जिला प्रशासन और उद्यान विभाग किसानों की आय बढ़ाने के लिए उच्च मूल्य वाली फसलों के विकल्प विकसित करने पर कार्य कर रहे हैं। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने बताया कि उद्यान विभाग द्वारा सहसपुर क्षेत्र की जलवायु एवं भौगोलिक परिस्थितियों का अध्ययन करने के बाद ब्लूबेरी उत्पादन के लिए इसे उपयुक्त पाया गया है। पायलट प्रोजेक्ट के तहत सहसपुर ब्लॉक के 10 किसानों का चयन किया गया है, जिन्हें प्राथमिकता के आधार पर तकनीकी एवं वित्तीय सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि चयनित किसानों को 500 वर्गमीटर क्षेत्र में खेती के लिए 500 ब्लूबेरी पौधे 80 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके साथ ही किसानों को वैज्ञानिक खेती, पौधों के रखरखाव, सिंचाई प्रबंधन तथा उत्पादन तकनीकों का विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। जिला प्रशासन किसानों की उपज के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में भी कार्य करेगा, ताकि उन्हें उत्पाद का उचित मूल्य मिल सके। जिलाधिकारी ने कहा कि यदि यह पायलट प्रोजेक्ट सफल रहता है तो भविष्य में इसे क्लस्टर स्तर पर विस्तारित किया जाएगा। इससे देहरादून को ब्लूबेरी उत्पादन के नए केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार दून बासमती ने राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है, उसी प्रकार ब्लूबेरी खेती भी किसानों के लिए आय का नया और लाभकारी स्रोत बन सकती है। मुख्य उद्यान अधिकारी डी.के. तिवारी ने बताया कि ब्लूबेरी एक हाई-वैल्यू फसल है, जिसकी बाजार में कीमत लगभग 1,000 से 1,500 रुपये प्रति किलोग्राम तक रहती है। स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के कारण एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर फलों की मांग लगातार बढ़ रही है, जिससे ब्लूबेरी की व्यावसायिक संभावनाएं भी मजबूत हुई हैं। उन्होंने बताया कि नाबार्ड के सहयोग से सहसपुर ब्लॉक के चयनित गांवों में पॉलीहाउस स्थापित किए जाएंगे, जिनमें ब्लूबेरी की खेती की जाएगी। ब्लूबेरी के पौधे लगभग दो वर्षों में फल देना शुरू कर देते हैं। विभाग द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने वाले किसानों में से 10 किसानों ने इस खेती को अपनाने की इच्छा जताई है। विशेषज्ञों का मानना है कि नवाचार आधारित ऐसी योजनाएं किसानों को पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर अधिक आय अर्जित करने का अवसर प्रदान करेंगी। साथ ही इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी और कृषि क्षेत्र में आधुनिक एवं लाभकारी खेती को बढ़ावा मिलेगा।

पुलिस की सक्रियता से चंद घंटों में 16 वर्षीय किशोर को किया बरामद

टिहरी (हसं)। बीती रात से लापता एक 16 वर्षीय किशोर को पुलिस ने अथक प्रयासो के बाद आज सुबह बरामद कर लिया है। जिसे आवश्यक कार्यवाही के बाद परिजनों की सुपुर्दगी में दे दिया गया है। जानकारी के अनुसार आज सुबह लगभग 8 बजे खारा स्रोत, मुनिकीरेती, जनपद टिहरी गढ़वाल निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस चौकी तपोवन पर सूचना दी गई कि उनका 16 वर्षीय पुत्र दिनांक 8 जून 2026 की रात्रि लगभग 9 से 10 बजे के बीच घर से कहीं चला गया है तथा वापस नहीं लौटा है। सूचना मिलते ही पुलिस चौकी तपोवन द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल खोजबीन प्रारंभ की गई। उपनिरीक्षक नरेंद्र सिंह तोमर के नेतृत्व में रात्रि एचपीयू हेड कांस्टेबल भीमदत्त शर्मा, कांस्टेबल पंकज तोमर एवं दिन एचपीयू हेड कांस्टेबल मोहित रावत सहित पुलिस टीम द्वारा स्थानीय गुर्जर समुदाय के लोगों के सहयोग से आसपास के क्षेत्र एवं जंगलों में व्यापक सर्च अभियान चलाया गया। पुलिस टीम के अथक प्रयासों एवं स्थानीय लोगों के सहयोग से लापता किशोर (उम्र 16 वर्ष) को आज प्रातः लगभग 10:30 बजे मुनिकीरेती क्षेत्र से सकुशल बरामद कर लिया गया। आवश्यक पूछताछ एवं औपचारिकताओं के उपरांत किशोर को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। अपने पुत्र को सुरक्षित वापस पाकर परिजनों ने राहत की सांस ली तथा थाना मुनिकीरेती पुलिस की त्वरित एवं संवेदनशील कार्यप्रणाली की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया।

लोक कल्याण मेले का शुभारम्भ

संवाददाता

हरिद्वार। नगर निगम द्वारा आयोजित लोक कल्याण मेले के प्रथम दिन लघु व्यापार एसो के प्रदेश अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के साथ शहरी स्थानीय निकाय परियोजना की विशेष जानकारी के साथ रेड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों को जागरूक किया।

लोक कल्याण मेले के आयोजन की अध्यक्षता व शुभारंभ सहायक नगर आयुक्त श्याम सुंदर प्रसाद ने की संचालन सिटी मेंशन मैनेजर अंकित सिंह रामोला ने किया कार्यक्रम में बैंकों के अधिकारी नगर निगम की कर अधीक्षक निषाद अंसारी वरिष्ठ लिपिक शिव सिंह चौहान अन्य अधिकारियों ने भी स्ट्रीट वेंडर कल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी के साथ लघु व्यापारियों को जागरूक किया।

लोक कल्याण मेले के कार्यक्रम के दौरान नगर निगम प्रशासन द्वारा प्रथम वेंडिंग जोन के लाभार्थियों को नई वित्तीय वर्ष 26-27 के स्थाई कारोबारी लाइसेंस बिक्रिय प्रमाण पत्र भी सहायक नगर आयुक्त श्यामसुंदर प्रसाद द्वारा निर्गत किए गए नगर निगम प्रशासन द्वारा आयोजित लोक कल्याण मेले के शुभारंभ के अवसर पर लघु व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधियों में पंडित मनीष शर्मा, फूल सिंह, सुनील कुकरेती, रिंकू यादव, लालचंद गुप्ता, विजय गुप्ता, भोला यादव, वीरेंद्र, मोहनलाल, अरुण कुमार, अशोक कुमार, जय सिंह बिष्ट ,श्याम कुमार, कैलाश चौधरी, चंदन रावत, नरसिंह कुमार, रमेश, प्रदीप कुमार, ओमप्रकाश कल्याण, सचिन राजपूत, कामिनी मिश्रा, सीमा देवी, पुष्पा, मंजू, सुमन गुप्ता, आशा देवी, मीरा, संगीता, बबीता, इंदिरा देवी सहित भारी तादाद में स्थित वेंडर्स लघु व्यापारी शामिल रहे।

बाइक चोरी का खुलासा, दो गिरफ्तार

❑पुलिस ने जिनकी बचाई जान, वही निकले बाइक चोर

हमारे संवाददाता

टिहरी। बाइक चोरी मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी युवकों द्वारा बाइक चोरी के बाद भागने के प्रयास में एक्सीडेट कर दिया था। जिन्हे पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया था। बाद में पुलिस को पता चला था कि उक्त युवक ही बाइक चोर है।

जानकारी के अनुसार बीती 7 जून की रात थाना घनसाली पुलिस को सूचना मिली कि चम्पुवा मंदिर के पास एक मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो गई है तथा दो युवक घायल अवस्था में सड़क किनारे पड़े हैं। सूचना प्राप्त होते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची, जहां मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त अवस्था में सड़क किनारे पाई गई। प्रथम दृष्टया मोटरसाइकिल का पहाड़ से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त होना प्रतीत हुआ। पुलिस द्वारा स्थानीय लोगों की सहायता से दोनों घायलों को तत्काल उपचार हेतु सीएचसी बेलेश्वर, चमियाला भेजा गया। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को बेहतर उपचार के लिए एम्स ऋषिकेश रेफर कर दिया गया। घायलों ने अपना नाम अनुज सिंह राणा निवासी खटीमा तथा साहिल सिंह निवासी खटीमा बताया।

वहीं अगले ही दिन 8 जून को स्थानीय निवासी वीर सिंह द्वारा थाना घनसाली में तहरीर देकर बताया गया कि उनकी बाइक बस स्टेशन घनसाली से चोरी हो गयी है। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि पिछली रात्रि दुर्घटनाग्रस्त हुई मोटरसाइकिल वही चोरी की गई मोटरसाइकिल थी तथा घायल हुए दोनों युवक ही उक्त चोरी की घटना में शामिल थे। चोरी की मोटरसाइकिल लेकर भागने के दौरान ही दोनों दुर्घटना का शिकार हो गए थे। जिस पर पुलिस टीम ऋषिकेश एम्स पहुंची तो पता चला कि दोनों युवक पुलिस कार्रवाई के भय से अस्पताल से छुट्टी लेकर फरार हो चुके हैं। जिसके बाद थाना घनसाली पुलिस द्वारा संभावित स्थानों पर लगातार दबिश दी गई तथा आरोपियों की तलाश हेतु सघन अभियान चलाया गया। अथक प्रयासों एवं प्रभावी सुरागरसी-पतारसी के फलस्वरूप बीती रात आरोपियों को बालगंगा डिग्री कॉलेज के पास चमियाला रोड से गिरफ्तार कर लिया गया है।

गुलदार ने घात लगाकर महिला पर किया हमला

हमारे संवाददाता

पौड़ी। पौड़ी जनपद में गुलदार का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार को खाण्ड्यूसैण-दीवार गांव के समीप गुलदार ने एक 50 वर्षीय महिला पर हमला कर उसे अपना शिकार बना लिया। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

स्थानीय लोगों के अनुसार महिला गांव के पास मौजूद थी, तभी घात लगाए बैठे गुलदार ने उस पर हमला कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक महिला की मौत हो चुकी थी। घटना की जानकारी

तत्काल वन विभाग को दे दी गई है। विभागीय टीम मौके के लिए रवाना हो गई है और मामले की जांच की जा रही है। साथ ही क्षेत्र में गुलदार की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए निगरानी बढ़ाई जा रही है। क्षेत्र में लगातार सामने आ रही गुलदार हमले की घटनाओं से ग्रामीणों में भय व्याप्त है। स्थानीय लोगों ने वन विभाग से गुलदार को पकड़ने और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लंबे समय से गुलदार की मौजूदगी देखी जा रही थी, लेकिन समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। लोगों ने वन विभाग और प्रशासन से तत्काल ठोस कदम उठाने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

हैदराबाद से हुई पांच करोड़ की ज्वैलरी की चोरी का खुलासा

●दो महिलाओं सहित तीन गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। हैदराबाद में हुई पांच करोड़ की ज्वैलरी चोरी मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो महिलाओं सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से चुराये गये जेवरात भी बरामद हुए है। आरोपी उत्तराखण्ड के रास्ते नेपाल भागने की फिराक में थे।

जानकारी के अनुसार बीते रोज तेलांगना के एक आईपीएस से उधमसिंहनगर पुलिस को सूचना मिली कि हैदराबाद में हुई पांच करोड़ की चोरी मामले के कुछ आरोपी उत्तराखण्ड के उधमसिंहनगर क्षेत्र में आने वाले है। सूचना की गम्भीरता को देखते हुए एसएसपी अजय गणपति खुद मैदान में उतर पड़े और एसओजी व स्थानीय पुलिस बल को चैकिंग के निर्देश दिये। पुलिस के अनुसार चैकिंग के दौरान रूद्रविलास चौकी बैरियर पर जब एक बस को चैकिंग के लिए रोका गया तो उसमें दो महिलाओं सहित तीन संदिग्ध लोग बैठे हुए दिखायी दिये। पुलिस ने जब उनके बैग की तलाशी ली तो उसमें हैदराबाद से चुराये गये पांच करोड़ के जेवरात बरामद हुए। पुलिस ने उन सभी तीनों लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

मुख्यमंत्री ने किया 'मेरी योजना' पुस्तक के ऑडियो क्लिप का अनावरण

हमारे संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज सचिवालय में कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग द्वारा तैयार की गई 'मेरी योजना' पुस्तक के ऑडियो क्लिप का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पुस्तक में विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं को एक ही स्थान पर संकलित किया गया है, जिससे आम नागरिकों को योजनाओं की जानकारी आसानी से उपलब्ध हो सकेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुस्तक में केंद्र एवं राज्य सरकार की जनहितकारी योजनाओं के साथ-साथ स्वरोजगार, कौशल विकास, शिक्षा तथा अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों से जुड़ी योजनाओं की पात्रता, लाभ और आवेदन प्रक्रिया को सरल एवं सहज भाषा में प्रस्तुत किया

गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए विभाग लगातार नवाचार करें तथा शासनादेशों को भी आमजन की समझ के अनुरूप सरल भाषा में जारी किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार की कार्यशैली के कारण प्रदेश की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हुई है और प्रति व्यक्ति आय में निरंतर वृद्धि दर्ज की गई है। राज्य सरकार मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, महक क्रांति योजना, एरोमा वैली, मिशन एप्पल तथा अन्य रोजगारपरक योजनाओं के माध्यम से युवाओं और महिलाओं के लिए स्वरोजगार एवं आजीविका के नए अवसर सृजित कर रही है। इस मौके पर सचिव कार्यक्रम क्रियान्वयन दीपक कुमार ने कहा कि ये ऑडियो संस्करण, आकाशवाणी सहित अन्य रेडियो स्टेशन पर प्रसारित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इससे पहले विभाग मेरी योजना पुस्तक के चार संस्करण प्रकाशित कर चुका है। साथ ही इसका डिजिटल संस्करण भी जारी किया जा चुका है। इस अवसर पर महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी भी मौजूद थे।

राजधानी दून का फिर चढ़ा पारा!

हमारे संवाददाता

देहरादून। जून के शुरूआती दौर में उत्तराखंड में बारिश और तेज तूफान के बाद एक बार फिर सुय देव की गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। पिछले दो दिनों से प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में चटक धूप और गर्म हवाओं ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है।

जून की शुरुआत में हुई बारिश और आंधी-तूफान से लोगों को गर्मी से राहत मिली थी, लेकिन अब मौसम पूरी तरह बदल गया है। दोपहर के समय तेज धूप के कारण बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर भीड़ कम देखने को मिल रही है। लोगों को घरों से बाहर निकलने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार राजधानी देहरादून का अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक बढ़कर 37.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 23.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। प्रदेश के अन्य मैदानी और पर्वतीय जिलों में भी तापमान सामान्य से ऊपर दर्ज किया गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि हाल के दिनों में हुई बारिश के दौरान तापमान सामान्य से नीचे बना हुआ था, लेकिन अब मौसम साफ होने के कारण तापमान

में तेजी से वृद्धि हो रही है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में गर्मी और बढ़ने की संभावना जताई है।

मौसम विज्ञान केंद्र द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर, पिथौरागढ़, अल्मोड़ा, नैनीताल और चंपावत जिलों के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बारिश होने की संभावना है। हालांकि प्रदेश के अधिकांश अन्य जिलों में मौसम शुष्क बना रहेगा।

देहरादून में मंगलवार को अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। वहीं 14 जून तक पर्वतीय जिलों में मौसम का मिजाज बदलता रह सकता है और कुछ क्षेत्रों में हल्की बारिश देखने को मिल सकती है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।